History - B.A. Part II- 2013

Scheme:

Two Papers Min. Pass Marks 72 Max. Marks 200

Paper 1 – Medieval India (1206-1740 A.D.) 3 Hrs. Duration
Marks 100

Paper 2 - Survey of Rajasthan History **(for NC students)** 3 Hrs. Duration
Marks 100
(From earliest times to1956 A.D.)

Paper 2 - Survey of Rajasthan History **(for Regular students)** 3 Hrs. Duration
Theory-70 Marks
(From earliest times to1956 A.D.)
Practical-30 Marks

Paper I- Medieval India (1206-1740 A.D.)

Duration:3 hrs.
Max Marks:100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part.
Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words.
Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted.
Total marks : 40

Unit -I

(a) Turkish Invasion and Rajput struggle
(b) Establishment of Delhi Sultanate and consolidation - Mohammad Gori, Iltutmish, Razia and Balban
(c) Khalji Imperialism- Expansion in North and South India.
(d) Economic and Administrative policy of Allauddin Khilji

Unit -II

(a) Mohamad Bin Tughlag : Planning and its failures, Estimate as a ruler
(b) Firoz Tughlag : Agriculture reforms and public works
(c) Vijaynagar and Bahamani Kingdom and causes of their decline
(d) Social and economic condition during Sultanate period.

Unit-III

(a) Political condition of India on the eve of Babur's invasion, Establishment of Mughal Empire, Literary talent of Babur
(b) Humayun: Early difficulties and causes of his failures
(c) Shershah: Expansion fo his empire and administration
(d) Expansion and consolidation of the Mughal empire under Akbar.

Unit-IV

(a) Jahangir and Mewar, Role of Nurjahan in the Mughal court.
(b) Reign of Shahjahan : An estimate
(c) Deccan policy of Aurangzeb and downfall of Mughal Empire
(d) Rise of Marathas, Achivements of Shivaji and his administration.

Unit-V

(a) Religious and Rajput policy of the Mughals .
(b) Literature, Architecture and Painting during the Mughal period -An introductory study.
(c) Mughal administration, Mansabdari and Land Revenue System.
(d) Bhakti Movement and Sufism during the medieval period.
(e) Economy, Trade and Commerce during the medieval period.

Books Rcommended:

(1) J.N. Sarkar : Mughal Administration
(2) S.R. Sharma : Religious policy of Mughal Emperors
(3) R.P.Tripathi : Rise and fall of the Mughal Empire.
(4) U.N.Dey : Administrative system of Delhi Sultanate(1206-1413), kitab Mahal Allahabad ,1959
(5) Sushmita Pandey : Medieval Bhakti movement. kusumanjali Prakashan (Merrut), 1989.
;6) के. आर. कानूनगो :शेरशाह और उसका समय, वैज्ञानिक तथा तकनीकी आयोग
;7) हरिशचन्द्र वर्मा :मध्यकालीन भारत, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविधालय
;8) बनारसी प्रसाद सक्सेना :मुगल सम्राट शाहजहाँ, राजस्थानी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

Paper II - Survey of Rajasthan History (From earliest times to1956 A.D.)

Paper-II 3 hrs Duration (for NC Stduents) 100 Marks
Paper-II 3 hrs Duration (for Regular / Ex.Students) Theory 70 Marks
(for Regular / Ex. Students) Practical 30 Marks
(Field work/project/report/excursion-20/Viva-voce-10)

Duration:3 hrs. Max Marks:100 (NC)/(70) Regular/ Ex.)

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10 (NC) / 10 (Reg./Ex.)

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50 (NC) / 30 (Reg./Ex.)

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40 (NC) / 30 (Reg./Ex.)

Unit-I

(a) An outline of proto-historic culture: Kalibanga, Ahar and Bairath
(b) An outline of Matsya Janapad with special reference to Shivi and Malav Janpadas.
(c) Various theories of origin of Rajputs.
(d) Early Chauhan rulers and Prithvi Raj Chauhan III

Unit-II

(a) Achievements of Maharana Kumbha.
(b) Rise of Marwar under Maldeo
(c) Resistance of Rajput rulers against Turks upto 1526 A.D.
(d) The policy of collaboration with Mughals and resistance of Rajput states with special reference to Man Singh of Amber, Rai Singh of Bikaner, Rana Sanga and Maharana Pratap of Mewar and Chandrasen and Durgadas of Marwar.

Unit- III

(a) Causes and results of Maratha penetration in Rajputana.
(b) Circumstances and consequence of the treaties of 1818 between Rajput rulers and company with special refernce to Mewar, Marwar and Kota.
(c) Uprising of 1857-causes and results with special reference to Kota.
(d) Causes of political awakening in Rajasthan.

Unit-IV

(a) Peasant movement in Rajasthan with special reference to Bijolia and Barad.
(b) Tribal Movements -contribution of Govind Giri and Motilal Tejawat.
(c) Prajamandal movement in Rajasthan
(d) Integration of Rajasthan (1948-1956)

Unit-V

(a) Various Schools of Rajasthani Painting with special reference to Bundi and Kota Fort architecture with special reference to Ranthambore, Gagron and Chittor.
(b) Development of Rajasthani Literature with special reference to Charan Literature
(c) Bhakti movement in Rajasthan with special reference to Meera, Saint Dadu & Pipa, Sufism in Rajasthan

(d) Arya samaj and its effectes in Rajasthan.

Books Recommended :

1.	D.C. Shukla	: Early history of Rajasthan
2.	Dashrath Sharma	: Rajasthan Thiough the ages. Vol.I, Rajasthan State archives, Bikaner
3.	S.S.Saxena and Padamaja Sharma	: Bijolia Kisan Andolan ka Itihas , Rajasthan archieves Bikaner, 1972
4.	V.P. Menan	: Integration of Indian states.
5.	गोपीनाथ शर्मा	:राजस्थान का इतिहास
6.	आर.पी. व्यास	:राजस्थान का वृहत इतिहास भाग प्रथम तथा द्वितीय, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
7.	के. एम. सक्सेना	:राजस्थान में राजनैतिक जनजागरण, राजस्थान हिन्दी,ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
8.	सीमा गर्ग एवं सज्जन पोसवाल	:1857 का स्वतंत्रता संग्राम

नोट -नियमित विद्यार्थी Field work / project की रिपोर्ट विभाग को सौपेगा जिसका मूल्यांकन viva-voce के दिन होगा।परीक्षार्थी को विश्वविद्यालय के नियमानुसार आंतरिक मूल्यांकन में पृथक रूप से न्यूनतम अंक लाना आवश्यक होगा तथा आंतरिक मूल्यांकन हेतु होने वाली मौखिक परीक्षा एवं आवश्यक Field work / project के बिना उसको अनुपस्थित समझा जावेगा।यह परीक्षा महाविद्यालय के द्वारा पूर्व निर्धारित दिन होगी, जिसे समय पूर्व नोटिस बोर्ड पर सूचित किया जावेगा।उस दिन विद्यार्थी स्वयं उपस्थित होगा। अनुपस्थित विद्यार्थी आगामी वर्ष होने वाली परीक्षा में ही उपस्थित हो सकेगा।विद्यार्थियों का मूल्यांकन इतिहास विभाग अपने स्तर पर करायेगा।आंतरिक मूल्यांकन का लाभ केवल नियमित विद्यार्थियों को ही मिलेगा। विभाग मूल्यांकन कर अंकतालिका प्राचार्य महोदय के माध्यम से विश्वविद्यालय को समय पर भिजवायेगा। इतिहास विभाग अपने विभागाध्यक्ष की देखरेख में मूल्यांकन कार्य का निष्पादन करेगा।

बी.ए.–भाग द्वितीय –2013

इतिहास

योजना

दो प्रश्न पत्र न्यूनतम उत्तीर्णांक 72 अधिकतम अंक–200

प्रथम प्रश्न पत्र –मध्यकालीन भारत (1206-1740 A.D.) समय:3 घण्टे अंक 100

द्वितीय प्रश्न पत्र–राजस्थान के इतिहास का सर्वेक्षण समय : 3 घण्टे अंक 100

(प्रारम्भिक काल से 1956 ई.तक)

प्रथम प्रश्न पत्र–मध्यकालीन भारत (1206-1740 A.D.)

समय: 3 घण्टा

पूर्णांक:100

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इकाई–I

;क) तुर्की आक्रमण एवं राजपूत प्रतिरोध

;ख) दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण मुहम्मद गोरी,इल्तुतमिश,रजिया एवं बलबन

;ग) खिलजी साम्राज्यवाद – उत्तर एवं दक्षिण भारत में प्रसार

;घ) अलाउद्दीन खिलजी की आर्थिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ

इकाई–II

;क) मुहम्मद–बिन–तुगलक:योजनाएँ एवं उनकी असफलता, शासक के रूप मे मूल्यांकन

;ख) फिरोज तुगलक : कृषि सुधार एवं सार्वजनिक निर्माण कार्य

;ग) विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य तथा इनके पतन के कारण

;घ) सल्तनत कालीन सामाजिक – आर्थिक दशा

इकाई–III

;क) बाबर के आक्रमण के समय भारत की राजनीतिक दशा, मुगल साम्राज्य की स्थापना, बाबर की साहित्यिक प्रतिभा

;ख) हुमायूँ – प्रारम्भिक कठिनाइयाँ एवं असफलता के कारण

;ग) शेरशाह :साम्राज्य का विस्तार एवं प्रशासन

;घ) अकबर के अधीन मुगल साम्राज्य का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण

इकाई–IV

;क) जहाँगीर और मेवाड़, मुगल दरबार में नूरजहाँ की भूमिका

;ख) शाहजहाँ का काल – एक मूल्यांकन

;ग) औरंगजेब की दक्षिण नीति एवं मुगल साम्राज्य का पतन

;घ) मराठों का उत्कर्ष, शिवाजी की उपलब्धियाँ एवं प्रशासन

इकाई–V

;क) मुगलों की धार्मिक एवं राजपूत नीति

;ख) मुगलकालीन साहित्य, वास्तुकला एवं चित्रकला – एक परिचयात्मक अध्ययन

;ग) मुगल प्रशासन, मनसबदारी एवं भू–राजस्व प्रबंध

;घ) मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन एवं सूफी मत

;ड) मध्यकालीन आर्थिक दशा,व्यापार एवं वाणिज्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र–राजस्थान के इतिहास का सर्वेक्षण

(प्रारम्भिक काल से 1956 ई. तक)

प्रश्नपत्र –द्वितीय	समय–3 घंटे	(स्वयंपाठी विद्यार्थियों हेतु)	100 अंक
प्रश्नपत्र –द्वितीय सैद्धान्तिक	समय–3 घंटे	(नियमित/पूर्व विद्यार्थियों हेतु)	70 अंक
		(नियमित विद्यार्थियों हेतु) प्रायोगिक	30 अंक

Total sessional marks (Internal)	-	30
a. Field work / project / report / excursion	-	20
b. Viva-voce	.	10

नोट – नियमित विद्यार्थी Field work / project की रिपोर्ट विभाग को सौंपेगा जिसका मूल्यांकन viva-voce के दिन होगा।

परीक्षार्थी को विश्वविद्यालय के नियमानुसार आंतरिक मूल्यांकन में पृथक रूप से न्यूनतम अंक लाना आवश्यक होगा तथा आंतरिक मूल्यांकन हेतु होने वाली मौखिक परीक्षा एवं आवश्यक Field work / project के बिना उसको अनुपस्थित समझा जावेगा।यह परीक्षा महाविद्यालय के द्वारा पूर्व निर्धारित दिन होगी, जिसे समय पूर्व नोटिस बोर्ड पर सूचित किया जावेगा। उस दिन विद्यार्थी स्वयं उपस्थित होगा। अनुपस्थित विद्यार्थी आगामी वर्ष होने वाली परीक्षा में ही उपस्थित हो सकेगा।

विद्यार्थियों का मूल्यांकन इतिहास विभाग अपने स्तर पर करायेगा।आंतरिक मूल्यांकन का लाभ केवल नियमित विद्यार्थियों को ही मिलेगा। विभाग मूल्यांकन कर अंकतालिका प्राचार्य महोदय के माध्यम से विश्वविद्यालय को समय पर भिजवायेगा। इतिहास विभाग अपने विभागाध्यक्ष की देखरेख में मूल्यांकन कार्य का निष्पादन करेगा।

समय: 3 घण्टा

पूर्णांक:100(स्वयंपाठी)/70(नियमित/पूर्व)

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक-10(स्वयंपाठी)/10 (नियमित/पूर्व)

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक-50(स्वयंपाठी)/30 (नियमित/पूर्व)

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक-40(स्वयंपाठी)/30 (नियमित/पूर्व)

इकाई - I

क. राजस्थान की प्राक् ऐतिहासिक संस्कृति की रूपरेखा - कालीबंगा, आहड़ एवं बैराठ

ख. मत्स्य जनपद की रूपरेखा - शिवि एवं मालव जनपद के विशेष संदर्भ में

ग. राजपूतों की उत्पत्ति सम्बन्धी विभिन्न मत

घ. प्रारम्भिक चौहान शासक एवं पृथ्वीराज चौहान तृतीय

इकाई - II

क. कुम्भा की उपलब्धियाँ

ख. मालदेव के अधीन मारवाड़ का उत्कर्ष

ग. राजपूत शासकों द्वारा तुर्कों का प्रतिरोध (1526 ई. तक)

घ. राजपूत राज्यों द्वारा मुगल शासकों के साथ सहयोग एवं प्रतिरोध की नीति विशेषत:- आमेर के मानसिंह, बीकानेर के रायसिंह, मेवाड़ के राणा सांगा एवं महाराणा प्रताप और मारवाड़ का चन्द्रसेन एवं दुर्गादास

इकाई - III

क. राजपूत राज्यों में मराठों के हस्तक्षेप के कारण एवं परिणाम

ख. 1818 ई. की कम्पनी के साथ प्रमुख राजपूताना के राज्यों की सन्धियाँ विशेषत: मेवाड़, मारवाड़ एवं कोटा के संदर्भ में - परिस्थितियाँ एवं परिणाम

ग. राजस्थान में 1857 के विद्रोह के कारण और परिणाम-कोटा के विशेष संदर्भ में

घ. राजस्थान में राजनीतिक जनजागरण के कारण

इकाई - IV

क. राजस्थान में किसान आन्दोलन - बिजौलिया एवं बरड़ के विशेष संदर्भ में

ख. जनजाति आन्दोलन - गोविन्द गिरी और मोतीलाल तेजावत का योगदान

ग. राजस्थान में प्रजामंडल आन्दोलन

घ. राजस्थान राज्य का निर्माण - 1948 - 1956

इकाई - V

क. राजस्थान की चित्रकला की विभिन्न शैलियाँ - बूँदी एवं कोटा के विशेष संदर्भ में ; दुर्ग वास्तुकला - रणथम्भौर, गागरोन और चित्तौड़ के विशेष संदर्भ में

ख. राजस्थानी साहित्य का विकास विशेष रूप से चारण साहित्य

ग. राजस्थान में भक्ति आन्दोलन - मीरा, दादू संत पीपा के विशेष संदर्भ में, राजस्थान में सूफी आन्दोलन

घ. राजस्थान में आर्य समाज एवं उसका प्रभाव